पत्रांक–1/विविध/3ा०प्र०प्रा०21/14-1377 दिनांक– 14-10-2016

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण
(आपदा प्रबंधन विभाग)
बिहार सरकार
पन्त भवन, द्वितीय तल, पटना

अत्यावश्यक प्रेषक,

ई मेल द्वारा यू0 के0 चौबे,
सचिव ।

सेवा में,

सभी प्रमंडलीय आयुक्त,
सभी जिला पदाधिकारी,
सचिव/प्रधान सचिव, जल संसाधन विभाग/कृषि विभाग/आपदा प्रबंधन विभाग/लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग/पशुपालन एवं मत्स्य संसाधन विभाग/समाज कल्याण विभाग/स्वास्थ्य विभाग / शिक्षा विभाग ।
सभी जिलों के प्रभारी सचिव/प्रधान सचिव ।
समादेष्टा,एस0डी0आर0एफ0/एन0डी0आर0एफ0,बिहटा, पटना ।

पटना, दिनांक– 14-10-2016

महाशय,

आप अवगत हैं कि वर्ष 2016 में राज्य के लगभग सभी जिले विभिन्न आपदाओं से प्रभावित रहे है । ग्रीष्म काल में बड़े पैमाने पर आग लगने की घटनायें राज्य में हुई हैं तथा मॉनसून के आगमन के साथ ही आसमानी बिजली गिरने से काफी लोगों की मौतें हुई हैं । यहां तक कि किसी एक दिन आसमानी बिजली गिरने से 56 लोगों की मौत हुई जो अप्रत्याशित है । मॉनसून आने के बाद जुलाई, अगस्त और सितम्बर महीने में राज्य के 31 जिले कमोवेश विभिन्न चरणों में बाढ़ से प्रभावित हुए । जहां 31 जिलों में बाढ़ आयी, वहीं अगस्त माह में जब धान की रोपनी का समय था, अल्प वर्षापात के कारण कतिपय जिलों/प्रखंडों में सुखाड़ की भी स्थिति बनी ।

2– परन्तु उपरोक्त सभी स्थितियों का मुकाबला राज्य प्रशासन की पूरी मशीनरी ने मिलकर किया । जहां तक बाढ़ आपदा प्रबंधन का सवाल है इसके लिए आपदा प्रबंधन विभाग ने मानक संचालन प्रकिया गठित किया है जिसके आलोक में लगभग सभी जिलों में बाढ़ की पूर्व तैयारियों को पूरा किया गया था । जल संसाधन विभाग ने भी मानक संचालन प्रकिया गठित किया है जिसके अनुसार तटबंधों की सुरक्षा का कार्य बाढ़ आने के पूर्व एवं बाढ़ के दौरान युद्ध स्तर पर किया गया । बाढ़ प्रभावित जिलों में बड़े पैमाने पर मानव एवं पशुओं के लिए राहत केन्द्रों तथा सामुदायिक किचेन एवं लंगर की व्यवस्थायें की

गयीं । जिन जिलों में बाढ़ की स्थिति बहुत भयावह नही थी, उन जिलों के जिला पदाधिकारियों ने उत्साहपूर्वक दूसरे बाढ़ प्रभावित जिलों की भरपूर मदद की ।

3-- इसी प्रकार आग लगने के दौरान भी जिलों ने मानक संचालन प्रकिया के अनुसार त्वरित राहत बांटने का काम किया । यहां तक कि कतिपय जिलों ने आग एवं आसमानी बिजली गिरने से बचाव के संबंध में आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी Advisory के आलोक में जन जागरूकता लाने के अभिनव प्रयोग भी किये । कहना न होगा कि आपदा प्रबंधन के इन समस्त कार्यो में प्रमंडलीय आयुक्तों/जिला पदाधिकारियों की भूमिका नेतृत्वकारी रही तथा सरकार के विभिन्न विभागों ने जिलों को भरपूर दिशा निर्देश एवं सहायता उपलब्ध करायी । कई जिलों में जिलों के प्रभारी सचिव/प्रधान सचिव सरकार द्वारा भेजे गये जिन्होंने बाढ़ के दौरान राहत कार्यो के संचालन में बहुमूल्य दिशा निर्देश जिलों को दिया । पूर्णिया प्रमंडल में तो विशेष आयुक्त के रूप में श्री सुधीर कुमार, प्रधान सचिव, कृषि विभाग को प्रतिनियुक्त किया गया, जिन्होंने अपने पूर्व अनुभव के आधार पर जिलों को उचित मार्गदर्शन प्रदान किया ।

4– इस प्रकार सभी जिला पदाधिकारियों/ प्रमंडलीय आयुक्तों एवं जिलों के प्रभारी सचिव/प्रधान सचिव को वर्ष 2016 में अग्निकांड, आसमानी बिजली गिरने तथा बाढ़ आपदा से निपटने के पर्याप्त अनुभव प्राप्त हुए हैं । यदि इन अनुभवों को लेखबद्ध कर उसे एक दूसरे के साथ बांटा जाय तो हम सीख सकते हैं कि हमारा सकारात्मक पक्ष क्या रहा तथा कौन सा पक्ष कमजोर रहा जिसमें सुधार कर हम भविष्य में आपदा प्रबंधन के कार्यो को बेहतर बना सकते हैं ।

5– बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने उपरोक्त बिन्दु पर विचार किया है तथा यह तय किया गया है कि सभी जिला पदाधिकारियों, प्रमंडलीय आयुक्तों, जिलों के प्रभारी सचिव/प्रधान सचिवों एवं विभिन्न विभागों से अनुरोध किया जाए कि वे उपरांकित आपदाओं के प्रबंधन में प्राप्त अनुभवों को लेखबद्ध कर हमें भेजें । उनके अनुभवों को हम पुस्तिकाकार प्रकाशित करेंगे तथा उसे राज्य/देश के विभिन्न साझेदारों के साथ शेयर भी करेंगे । साथ ही आपदा प्रबंधन के श्रेष्ठ कार्य जिन जिलों में हुए हैं, उन्हें पुरस्कृत भी करेंगे ।

6– अतएव निदेशानुसार अनुरोध है कि कृपया एक माह के अन्दर अपने अनुभवों को लेखबद्ध कर प्राधिकरण के ईमेल आई0डी0– monishadubey@bsdma.org पर सुश्री मोनीषा दूबे, वरीय संपादक, के नाम से भेजा जाय जो इसके लिए नोडल पदाधिकारी नामित की गयी हैं ।

7– उपरोक्त पर उपाध्यक्ष, आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का अनुमोदन प्राप्त है ।

विश्वासभाजन,

ह0/–

(यू0 के0 चौबे)

सचिव

ज्ञापांक–   पटना,दिनांक–

प्रतिलिपि– पुलिस महानिदेशक, बिहार /श्री पी0 एन0 राय,महानिदेशक, गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवा को इस अनुरोध के साथ प्रेषित कि वे कृपया अपने विभागीय अनुभवों को प्राधिकरण को भेजने की कृपा करें ।

ह0/–
सचिव

ज्ञापांक–   पटना,दिनांक–

प्रतिलिपि– मुख्य सचिव, बिहार/विकास आयुक्त, बिहार को सूचनार्थ प्रेषित ।

ह0/–
सचिव

ज्ञापांक– 1377/प्रा०वि०   पटना,दिनांक– 14-10-2016

प्रतिलिपि– माननीय मुख्य मंत्री के प्रधान सचिव को सूचनार्थ प्रेषित ।

सचिव 14/10/2016